C396

Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-101

नाटक, अलंकार एवं छन्द

कला में स्नातक (बी.ए.)

First Year Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. अधोलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैः
नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः स्मृद्धिभिः
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

2. अभिज्ञानशाकुंतलम् की, कव्येषु नाटकं रम्यं, इस उक्ति के आधार पर कालिदास की नाट्यशैली पर निबंध लिखिए।

3. अनुप्रास और उत्प्रेक्षा अलंकारों का सोदाहरण लक्षण लिखकर समझाइए।

4. निदर्शना व रूपक अलंकारों का सोदाहरण लक्षण लिखिए।

5. कालिदास का जीवन परिचय लिखते हुए उनकी काव्य प्रतिभा का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. वसन्ततिलका छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

2. प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः का भाव स्पष्ट करें।

3. विभावना अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

4. संदेह अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

5. चार रगण वाले छंद का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

6. शकुन्तला का चरित्र चित्रण कीजिए।

7. टिप्पणी लिखिए- मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः।

8. टिप्पणी लिखिए– स्वभाव एवैष परोप्करिणाम्।